

कार्यकारी सारांश

परिचय

यह चूना पत्थर खदान छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पाटन तहसील के छाता और अचानकपुर गांव में स्थित है। यह परियोजना क्लस्टर स्थिति के अंतर्गत आती है क्योंकि 65 खदानें 500 मीटर के दायरे में गैर-वन सरकारी भूमि के 146.274 हेक्टेयर क्षेत्र में हैं। इन खदानों में से 2 खदानें 2.499 हेक्टेयर क्षेत्र की हैं जो ईआईए अध्ययन में भाग ले रही हैं। चूना पत्थर खदान की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 34,955 टन/वर्ष होगी जो मेसर्स बीएमएस प्रोजेक्ट (भागीदार - श्री मनीष सोमानी) और श्रीमती रीता सिंह की है।

प्रस्तावित परियोजना चूना पत्थर खनन की है और अन्य खदानों के साथ क्लस्टर गठन और कुल क्लस्टर क्षेत्र 5 हेक्टेयर से अधिक होने के कारण इसे बी-1 श्रेणी में माना गया। प्रस्तावित परियोजना बी1 श्रेणी में आती है। इसलिए, इकाई को राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA), छत्तीसगढ़ से पूर्व पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है।

पट्टे/भूमि का विवरण (अध्ययनाधीन)

मेरा	तहसील	गाँव	खसरा नं.	क्षेत्र (हेक्टेयर)	उत्पादन (टीपीए)	परियोजना लागत (लाख में)	स्वामित्व	भूमि उपयोग
1	पाटन	अचानकपुर	425	0.849	14955	30.0	सरकार	बंजर भूमि
2		छटा	16 (पी)	1.65	20000	25.0		
		कुल		2.499	34,955	55.0		

परियोजना प्रस्तावक का विवरण

मेरा	परियोजना का नाम	प्रस्तावक एवं पता	क्षेत्र (हेक्टेयर)
1	अचानकपुर चूना पत्थर खदान	मेसर्स बीएमएस प्रोजेक्ट साथी - श्री मनीष सोमानी पता:-बीएम हाउस, मोती लाल पारा, जगदलपुर, जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़	0.849

2	छाता चूना पत्थर खदान	श्रीमती रीता सिंह पता:-वैशाली नगर, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़	1.65
	कुल		2.499

परियोजना विवरण

परियोजना का स्थान- खसरा नं. 425 (खदान 1) एवं 16 पी (खदान 2), ग्राम छाता एवं अचानकपुर, तहसील-पाटन, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़

अक्षांश और देशांतर:

खदान 1 (अचानकपुर चूना पत्थर खदान)

सीमा बिंदु	अक्षांश	देशान्तर
ए	21 ⁰ 05'38.84"उ	81 ⁰ 27'43.51"पूर्व
बी	21 ⁰ 5'38.84"उ	81 ⁰ 27'41.46"पूर्व
सी	21 ⁰ 05'37.19"उ	81 ⁰ 27'40.01"पूर्व
डी	21 ⁰ 05'36.81"उ	81 ⁰ 27'39.83"पूर्व
इ	21 ⁰ 05'36.88"उ	81 ⁰ 27'38.16"पूर्व
एफ	21 ⁰ 05'36.51"उ	81 ⁰ 27'37.96"पूर्व
जी	21 ⁰ 05'36.42"उ	81 ⁰ 27'36.69"पूर्व
एच	21 ⁰ 05'34.75"उ	81 ⁰ 27'36.16"पूर्व
में	21 ⁰ 05'34.65"उ	81 ⁰ 27'40.49"पूर्व
जे	21 ⁰ 05'34.99"उ	81 ⁰ 27'40.50"पूर्व
क	21 ⁰ 05'35.11"उ	81 ⁰ 27'41.89"पूर्व
एल	21 ⁰ 05'35.66"उ	81 ⁰ 27'42.08"पूर्व
एम	21 ⁰ 05'35.94"उ	81 ⁰ 27'43.81"पूर्व
एन	21 ⁰ 05'37.15"उ	81 ⁰ 27'44.43"पूर्व
हे	21 ⁰ 05'37.87"उ	81 ⁰ 27'44.33"पूर्व
पी	21 ⁰ 05'37.90"उ	81 ⁰ 27'43.52"पूर्व

खदान 2 (छाता चूना पत्थर खदान)

सीमा बिंदु	अक्षांश	देशान्तर
ए	21 ⁰ 06'12.31"उ	81 ⁰ 27'02.75"पूर्व
बी	21 ⁰ 06'10.91"उ	81 ⁰ 27'05.61"पूर्व
सी	21 ⁰ 06'09.12"उ	81 ⁰ 27'05.92"पूर्व
डी	21 ⁰ 06'09.28"उ	81 ⁰ 27'07.10"पूर्व

इ	21 ⁰ 06'09.61"उ	81 ⁰ 27'07.10"पूर्व
एफ	21 ⁰ 06'09.70"उ	81 ⁰ 27'08.21"पूर्व
जी	21 ⁰ 06'08.73"उ	81 ⁰ 27'08.27"पूर्व
एच	21 ⁰ 06'08.71"उ	81 ⁰ 27'03.94"पूर्व

पर्यावरण संवेदनशीलता का विवरण

विशिष्ट	विवरण
पर्यावरण संवेदनशीलता	
निकटतम गांव	अचानकपुर गांव, लगभग 1.0 किमी उत्तर पूर्व दिशा में (खदान 1 से) गोंडपेंड्री गांव, लगभग 0.8 किमी दक्षिण पश्चिम दिशा में। (खदान 2 से)
निकटतम शहर	पाटन, लगभग 10.2 किमी दक्षिण पूर्व दिशा में
निकटतम राष्ट्रीय / राज्य राजमार्ग	एसएच- 22 लगभग 1.6 किमी (खदान 1 से) और दक्षिण पश्चिम दिशा में 1.0 किमी (खदान 2 से) दूर है। एनएच 53 लगभग 11.8 किमी (खदान 1 से) और उत्तर दिशा में 13 किमी (खदान 2 से) दूर है।
निकटतम रेलवे स्टेशन	मरौदा रेलवे स्टेशन जो उत्तर-पश्चिम दिशा में लगभग 11.2 किमी दूर है
निकटतम हवाई अड्डा	स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रायपुर, उत्तर पूर्व में लगभग 30 किमी.
15 किलोमीटर की परिधि में पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र (राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीवन अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व आदि)।	कोई नहीं
15 किलोमीटर के दायरे में आरक्षित/संरक्षित वन	15 किलोमीटर की परिधि में कोई आरक्षित/संरक्षित वन नहीं।
खदान स्थल के 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित जल निकाय।	नहर, दक्षिण पश्चिम दिशा में लगभग 5.0 किमी. माखा झील, उत्तर-पश्चिम दिशा में लगभग 7.0 किमी. सेलुद जिला, लगभग 2.5 किमी पूर्व दिशा में
पुरातात्विक महत्वपूर्ण स्थान	कोई नहीं
भूकंपीय क्षेत्र	तृतीय

क्षेत्र एवं उत्पादन : अध्ययन के अंतर्गत क्लस्टर क्षेत्र 2.499 हेक्टेयर है। प्रस्तावित उत्पादन 34,955 टीपीए है। परियोजना की अनुमानित लागत 55 लाख रुपये है।

कनेक्टिविटी:

परियोजना गांव की सड़क से अच्छी तरह जुड़ी हुई है, जो साइट से जुड़ती है। एसएच-22 दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगभग 1.0 किमी दूर है और गाड़ाडीह रायपुर रोड खदान स्थल से पूर्व दिशा में लगभग 2.2 किमी दूर है। निकटतम रेलवे स्टेशन मरौदा रेलवे स्टेशन है जो परियोजना स्थल से उत्तर-पश्चिम दिशा में लगभग 11.2 किमी दूर है।

के लिए बुनियादी आवश्यकताएँ परियोजना

क्र. सं.	आवश्यकताएं	मात्रा	स्रोत
1	भूमि	2.499 हेक्टेयर (अध्ययनाधीन क्लस्टर क्षेत्र)	
2	पानी	9.0 केएलडी	सरपंच की सहमति के बाद ग्राम पंचायत से बोरवेल/टैंकर की आपूर्ति।
3	श्रमशक्ति	42	आस-पास के गांवों से

खननका विवरण

खनन की विधि	कम क्षमता विस्फोट के साथ खनन की खुली खदान अर्ध-यंत्रिकृत विधि।
बेंच की ऊंचाई और चौड़ाई	बेंच की ऊंचाई – 3.0 मीटर बेंच की चौड़ाई – ऊंचाई से अधिक
अंतिम गड्ढे की गहराई	20.0 मीटर (खदान 1) और 30.0 मीटर (खदान 2)
भूजल गहराई	40मी-45मी
खदान का जीवन	20 वर्ष (खदान 1) और 30.6 वर्ष (खदान 2)

खनन विधि

उत्खनन का कार्य कम क्षमता वाले विस्फोट के साथ अर्ध-मशीनीकृत खुली-ढलाई विधि द्वारा किया जाएगा। छोटे पैमाने पर ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की जाएगी। 3.0 मीटर की ऊंचाई वाली बेंच बनाकर खनन किया जाएगा। मौजूदा ओबी को एक्सकेवेटर द्वारा हटाया जाएगा और बाकी अन्य कार्य जैसे आकार निर्धारण, लोडिंग आदि मैन्युअल रूप से किए जाएंगे।

भारी हथौड़े और हार्डनेस छेनी का उपयोग किया जाएगा। खदान खोदने और खदान से निकलने वाले कचरे को संभालने के लिए मैनुअल मजदूरों को भी तैनात किया जाता है। चूना पत्थर की लोडिंग और डंपिंग के लिए ट्रक/टिपर का उपयोग किया जाएगा। चूना पत्थर को एक्सकेवेटर द्वारा ब्लास्ट किया जाएगा, संभाला जाएगा और ट्रक/टिपर में लोड किया जाएगा।

खनिज लाभकारीकरण

खदान में खनिज का कोई प्रसंस्करण नहीं किया जाएगा। केवल साधारण आकार निर्धारण और छंटाई का काम मैनुअल रूप से किया जाएगा।

भूमि उपयोग पैटर्नका विवरणपर्यावरण

आधारभूत पर्यावरण गुणवत्ता का परीक्षण 15 दिसंबर, 2023 से 14 मार्च, 2024 के दौरान खनन पट्टा क्षेत्र के चारों ओर 10 किमी की रेडियल दूरी पर किया गया।

परिवेशी वायुगुणवत्ता

परिवेशी वायु मार्च से मई, 2023 तक 10 स्थानों पर गुणवत्तापूर्ण परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (एएक्यूएम) की गई है। पीएम₁₀ की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता 60.6 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ और 118.4 पाई गई। $\mu\text{पीएम}_{2.5}$ की सांद्रता 35.7 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ और 76.1 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ के बीच होती है। जहां तक गैसीय प्रदूषकों SO₂ और NO₂ का संबंध है, किसी भी स्टेशन पर आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए NAAQ मानकों के तहत निर्धारित सीमाएं कभी भी पार नहीं हुई हैं। SO₂ की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता क्रमशः 7.6 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ और 16.7 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ पाई गई। NO₂ की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता क्रमशः 12.8 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ और 45.3 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ पाई गई। SO₂ और NO₂ की निर्धारित सीमाएं 80 $\mu\text{ग्राम/मी}^3$ हैं और आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी निगरानी स्टेशन पर ये कभी भी पार नहीं हुई हैं।

इस प्रकार प्राप्त परिणामों से पता चलता है कि परिवेशी वायु में पीएम₁₀, एसओ₂ और एनओ₂ की सांद्रता आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता (एनएएक्यू) मानकों के भीतर है।

शोर का स्तर

प्रस्तावित खदान स्थल के आसपास 10 स्थानों पर परिवेशी शोर के स्तर को मापा गया। कुछ क्षेत्रों में देखे गए शोर के मान मुख्य रूप से वाहनों के आवागमन के कारण हैं। अध्ययन क्षेत्र में दिन के समय न्यूनतम और

अधिकतम शोर का स्तर क्रमशः 45.4 Leq dB और 70.7 Leq dB दर्ज किया गया और रात के समय न्यूनतम और अधिकतमशोर का स्तर क्रमशः 31.8 Leq dB और 62.2 Leq dB था।

सभी स्थानों पर दिन और रात के समय ध्वनि का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर पाया गया।

जल गुणवत्ता

अध्ययन क्षेत्र के जल संसाधन के लिए चयनित जल गुणवत्ता मापदंडों का उपयोग जल पर्यावरण का वर्णन करने और प्रभावों का आकलन करने के लिए किया गया है। जल गुणवत्ता का आकलन करने के लिए अध्ययन क्षेत्र में 8 भूजल नमूने एकत्र किए गए थे। हैंडपंप और खुले कुओं से भी पानी के नमूने लिए गए और 5 सतही जल के नमूने लिए गए। सतही जल की गुणवत्ता के लिए, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रकाशित 'सतही जल के उपयोग आधारित वर्गीकरण' के साथ पीएच, डीओ, बीओडी और कुल कोलीफॉर्म के मूल्यों की तुलना करने पर; यह देखा जा सकता है कि सभी विश्लेषित सतही जल की तुलना वर्ग 'बी' से की जा सकती है और पारंपरिक उपचार और कीटाणुशोधन के बाद पीने के पानी के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

मिट्टी की विशेषताएँ

मिट्टी की भौतिक विशेषताओं को विशिष्ट मापदंडों जैसे कि घनत्व, छिद्रण, जल धारण क्षमता, पीएच, विद्युत चालकता और बनावट के माध्यम से चिह्नित किया गया था। पोषक तत्वों की उपलब्धता में मिट्टी का पीएच महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिट्टी की सूक्ष्मजीव गतिविधि के साथ-साथ धातु आयनों की घुलनशीलता भी पीएच पर निर्भर करती है। विश्लेषण व्याख्या से पता चलता है कि मिट्टी क्षारीय प्रकृति की है क्योंकि पीएच मान 7.12 से 8.01 तक होता है और कार्बनिक पदार्थ 2.2% से 3.21 % तक होता है। मिट्टी के नमूनों में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम की मात्रा अच्छी पाई गई है। मिट्टी की बनावट रेतीली चिकनी दोमट है।

कोर जोन :-

खदान के पट्टे के भीतर कुछ मौसमी घासों को छोड़कर कोई वनस्पति नहीं है। गिलहरी और खेत के चूहे जैसे सामान्य जीव मौजूद थे। आम स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ भी उड़ती हुई पाई गईं जैसे नीला पत्थर कबूतर, घरेलू कौआ, कोयल और कबूतर।

मध्यवर्ती क्षेत्र :-

वनस्पति और जीव-जंतुओं के अध्ययन में बफर जोन के भीतर दो तरह के स्थलीय वातावरण पाए गए हैं - बंजर भूमि और कृषि भूमि। बफर जोन में आम पेड़ नीम, बरगद, गुलमोहर, साल, बबूल, कचनार, पीपल, आम, अरडूसा आदि हैं।

बफर जोन में सामान्य स्तनधारी बकरी, गाय, चूहा, गिलहरी आदि हैं। बफर जोन में सामान्य सरीसृप रैट स्लेक, रसेल वाइपर, गार्डन छिपकली, कोबरा आदि हैं। बफर जोन में सामान्य पक्षी हाउस स्पैरो, कॉमन क्रेन, कॉमन मैना, ब्लू रॉक कबूतर आदि हैं।

प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव

हवा पर प्रभाव - विभिन्न खनन गतिविधियाँ जैसे लोडिंग, ओवरबर्डन को हटाना और खनन में उपयोग किए जाने वाले अन्य परिवहन वाहनों की आवाजाही से धूल (एसपीएम / आरएसपीएम) उत्पन्न होगी। खदान स्थल पर उचित पानी का छिड़काव किया जाएगा। हवा के कारण होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए खनिज को ढके हुए ट्रकों/टिपर्स के माध्यम से सड़क मार्ग से ले जाया जाएगा।

जल पर्यावरण पर प्रभाव

सतही जल निकायों पर प्रभाव - कोई भी छोटी या बड़ी नदी पट्टा क्षेत्र से होकर नहीं गुजरती है। सेलुद नदी लगभग 2.5 किमी पूर्व दिशा में है। नहर, लगभग 5.0 किमी दक्षिण-पश्चिम दिशा में और माखा झील, लगभग 7.0 किमी उत्तर-पश्चिम दिशा में। लागू क्षेत्र में और उसके आस-पास या ओबी या अयस्क में कोई जहरीला तत्व नहीं है। इसलिए सतह या किसी भी भूजल स्रोत के लिए किसी भी तरह के संदूषण की उम्मीद नहीं है।

भूजल स्तर पर प्रभाव -

पट्टा क्षेत्र में भूजल स्तर सामान्य भूमि से 40 मीटर से 45 मीटर नीचे है और खनन अवधारणात्मक अवधि में 30.0 मीटर तक किया जाएगा। इसलिए, खनन भूमि स्तर को नहीं काटेगा।

शोर प्रभाव

गांवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि ये गांव खदानों से बहुत दूर स्थित हैं। चूंकि वहां कोई बड़ी मशीनरी नहीं है, इसलिए शोर के स्तर का प्रभाव बहुत कम होगा।

भूमि पर्यावरण पर प्रभाव

ओपनकास्ट खनन गतिविधियाँ पट्टा क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकती हैं और आस-पास के क्षेत्रों की सतही विशेषताओं में भी कुछ गड़बड़ी पैदा कर सकती हैं। लगभग 1.735 हेक्टेयर क्षेत्र का खनन किया जाएगा। खदान के जीवन के अंत में इस क्षेत्र को संकल्पनात्मक अवधि में जलाशय में बदलदिया जाएगा। यह सिंचाई के उद्देश्य से या स्थानीय लोगों की इच्छा पर पानी की आपूर्ति के माध्यम से पट्टेदार की सामाजिक आर्थिक और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में भी काम करेगा।

जैव विविधता पर प्रभाव - अध्ययन क्षेत्र में कोई संकटग्रस्त प्रजाति, वन्यजीव अभयारण्य, वन्यजीव गलियारा, जीवों के प्रवासी मार्ग या पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र नहीं हैं।

कृषि पर प्रभाव - धूल उत्पन्न होने के कारण आस-पास के क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन सक्रिय क्षेत्रों (उदाहरणार्थ हुलाई मार्ग, डंप स्थल) पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव जैसे शमन उपायों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए, ताकि प्रभाव न्यूनतम हो।

4.6 सामाजिक आर्थिक वातावरण

क्षेत्र में खनन गतिविधि का प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक है। चूना पत्थर की खदान स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करेगी और जब भी मानव शक्ति की आवश्यकता होगी, तो केवल स्थानीय लोगों को ही काम पर रखा जाएगा।

5.0 परियोजना पश्चात निगरानी कार्यक्रम

क्र. सं.	विवरण	निगरानी की आवृत्ति
1	परिवेशी वायु गुणवत्ता	त्रैमासिक/अर्धवार्षिक
2	मौसम संबंधी आंकड़े	दैनिक
3	शोर स्तर की निगरानी	अर्धवार्षिक
4	जल स्तर एवं गुणवत्ता	त्रैमासिक/अर्धवार्षिक
5	मिट्टी की गुणवत्ता	अर्धवार्षिक
6	कृषि फसलों की निगरानी	अर्धवार्षिक

6.0 अतिरिक्त अध्ययन

अतिरिक्त अध्ययन जोखिम मूल्यांकन एवं आपदा प्रबंधन / खतरा प्रबंधन और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हैं।

7.0 परियोजना लाभ

यह परियोजना लोगों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी, क्योंकि कंपनी पहले ही ग्रामीणों को शिक्षा सुविधाएं,

चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन सुविधाएं, जलापूर्ति आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सहमत हो चुकी है, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण में सुधार होगा।

पर्यावरण प्रबंधन योजना

वायु प्रबंधन

खनन कार्यों के दौरान वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे:

- परिवहन मार्गों पर पर्याप्त मात्रा में जल का छिड़काव किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र में उचित ढुलाई सड़कों का निर्माण।
- धूल को रोकने के लिए खनन पट्टे के भीतर परिवहन मार्गों, खदान कार्यालय के साथ हरित पट्टी/वृक्षारोपण का विकास।
- खनिज को डम्परो/ट्रकों में लोड करने से पहले पानी का छिड़काव किया जाएगा।

जल प्रबंधन

खनन प्रक्रिया के दौरान कोई अपशिष्ट जल उत्पन्न होने की परिकल्पना नहीं की गई है। खदान कार्यालय से उत्पन्न स्वच्छता अपशिष्ट को सोख गड्डों के माध्यम से सेप्टिक टैंक में उपचारित किया जाएगा। प्रस्तावित खनन क्षेत्र में सतही जल प्रदूषण का संभावित कारण मानसून अवधि में मिट्टी का कटाव और ढेर किए गए खनिजों से होने वाला बहाव होगा। मिट्टी के कटाव से होने वाले बहाव को रोकने के लिए ही नहीं बल्कि खदान के पानी के अनियंत्रित प्रवाह को रोकने के लिए भी पर्याप्त नियंत्रण उपाय अपनाए जाएंगे।

शोर प्रबंधन

- शोर को कम करने के लिए सभी एहतियात बरते जाएंगे तथा नियमित अंतराल पर शोर स्तर का सर्वेक्षण किया जाएगा।
- उच्च ध्वनि स्तर वाले क्षेत्र या मशीनों पर काम करने वाले व्यक्तियों को कान की सुरक्षा के लिए इयरप्लग या इयरप्लग दिए जाएंगे।
- ड्रिलिंग उपकरणों और अन्य भारी मिट्टी हटाने वाली मशीनरी के पास ध्वनि स्तर का नियमित मापन प्रस्तावित है तथा सभी उपकरणों के रखरखाव में सुधार के लिए कदम उठाए जाएंगे, ताकि ध्वनि स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर रहे।
- आंतरिक सड़कों और अवरोधों पर वृक्षारोपण।

भूमि पुनर्ग्रहण

संकल्पनात्मक अवधि में खनन से निकाले गए क्षेत्र को जलाशय में परिवर्तित करके पुनर्ग्रहण किया जाएगा

लगभग 1.735 हेक्टेयर क्षेत्र को जलाशय में परिवर्तित किया जाएगा। योजना अवधि के दौरान पुनर्ग्रहण किए गए क्षेत्र में लगभग 1500 पेड़ लगाए जाएंगे।

चरणवार भूमि उपयोग पैटर्न

सामग्री	खदान १	खदान 2
ए. पट्टा क्षेत्र	0.849	1.65
बी. उत्खनन एवं संबद्ध		
1. गड्डों के नीचे का क्षेत्र	0.567	1.168
2. डंपिंग के लिए क्षेत्र	-	
3. सड़क के लिए क्षेत्र	-	
5. बुनियादी ढांचे के लिए क्षेत्र	-	
6. सुरक्षा क्षेत्र	0.242	0.482
7. खनिज का भंडारण	-	-
8. जुमनि का भंडारण	-	-
9. क्रशिंग यूनिट	-	-
10. अछूता क्षेत्र	0.040	-
कुल	0.849	1.65

हरित पट्टी विकास- कुल 1500 देशी पौधों की प्रजातियों (सुरक्षा क्षेत्र में 580, गांव के सरकारी स्कूल में 200 और पहुंच मार्ग के दोनों ओर 520) को रोपने का प्रस्ताव है। औषधीय वृक्षों के साथ-साथ फल देने वाली प्रजातियों के पौधे भी लगाए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट खदान 1 (परियोजना लागत 30 लाख)

विवरण	1 वा वर्ष	दूसरा वर्ष	तीसरा वर्ष	चौथा वर्ष	5 वा वर्ष
खदान स्थल से निकटतम एसएच तक वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल उत्पन्न होने के कारण प्रदूषण नियंत्रण	30,000	30,000	30,000	30,000	30,000
पहुंच मार्ग के दोनों ओर वृक्षारोपण	11,500	5000	5000	5000	5000
2.0 मीटर की दूरी पर	1,00,000	-	-	-	-

230 मीटर (230 संख्या)	उर्वरक, बीज एवं पौधों का रखरखाव	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
पर्यावरण निगरानी (त्रैमासिक)		20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
सड़क/पहुंच मार्ग का रखरखाव		20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
गांव की सड़क पर वृक्षारोपण (0.23 किमी तक)		45,000	15,000	15,000	-	-
कुल		3,26,000	1,90,000	1,90,000	1,75,000	1,75,000

खदान 2 (परियोजना लागत 25 लाख)

विवरण	1 ला वर्ष	दूसरा वर्ष	तीसरा वर्ष	चौथा वर्ष	5 वां वर्ष
खदान स्थल से निकटतम एसएच तक वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल उत्पन्न होने के कारण प्रदूषण नियंत्रण	30,000	30,000	30,000	30,000	30,000
पहुंच मार्ग के दोनों ओर वृक्षारोपण 2.0 मीटर की दूरी पर	14,500	5000	5000	5000	5000
वृक्षारोपण हेतु राशि (90% जीवित रहने की दर)					
बाड़ लगाने के लिए राशि	1,00,000	-	-	-	-
290 मीटर (290 संख्या)	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
उर्वरक, बीज एवं पौधों का रखरखाव					
पर्यावरण निगरानी (त्रैमासिक)	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
सड़क/पहुंच मार्ग का रखरखाव	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
गांव की सड़क पर वृक्षारोपण (0.29 किमी तक)	58,000	15,000	15,000	-	-
कुल	3,42,000	1,90,000	1,90,000	1,75,000	1,75,000

निष्कर्ष

ईआईए अध्ययन के आधार पर यह पाया गया है कि धूल प्रदूषण में वृद्धि होगी, जिसे गीली ड्रिलिंग, नियंत्रित और धीमी गति से विस्फोट, पानी का छिड़काव और वृक्षारोपण करके नियंत्रित किया जाएगा। खनन गतिविधियों के कारण परिवेशी पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा, इसके अलावा खनन संचालन से क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन होगा।

क्षेत्र के चारों ओर हरित पट्टी का विकास भी प्रदूषण को कम करने की एक प्रभावी तकनीक के रूप में किया जाएगा, साथ ही चूना पत्थर की खदान के परिसर से निकलने वाले प्रदूषकों को नियंत्रित करने के लिए भी किया जाएगा। खनन संचालन जारी रहने तक निगरानी कार्यक्रम का पालन किया जाएगा। इसलिए, यह संक्षेप में कहा जा सकता है कि खदान के विकास का क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है और ज़्यादातर मौसमी खेती पर निर्भर है। गांवों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। इससे कंपनी की लाभप्रदता बढ़ेगी और क्षेत्र के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे

अध्ययन क्षेत्र में अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पानी, बिजली आदि की कमी है। उम्मीद है कि प्रस्तावित खनन परियोजना और उससे जुड़ी औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के कारण इसमें काफी हद तक सुधार होगा। प्रस्तावित गतिविधियाँ और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय सरकार के सीईआर अधिदेश के अनुसार होंगे।
